

# राजस्व अपील प्राधिकारी, जयपुर

तारीख हुक्म	मूलचन्द 306 2024	बनाम 369 2024	रमेशचन्द हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
-------------	------------------------	---------------------	--	--

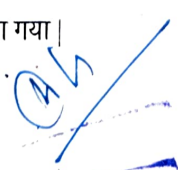
08.10.25

पत्रावलीयां प्रस्तुत हुई | अधिवक्ता उभयपक्ष उपस्थित | अधिवक्ता अपीलार्थी की बहस पत्रावलीयो पर सुनी गयी एवं अधिवक्ता रेस्पो. ने अपनी लिखित बहस को ही उनकी बहस माने जाने का निवेदन किया | अतः पत्रावलीयां निर्णय हेतु रिजर्व की जाती है | अधिवक्ता अपीलार्थी की मौखिक बहस एवं अधिवक्ता रेस्पो. की लिखित बहस पर मनन किया गया, जिससे विदित होता है कि अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित प्राथमिक निर्णय व डिक्री दिनांक 01/06/2018 एवं अंतिम निर्णय व डिक्री दिनांक 29/06/2018 के विरुद्ध पृथक-पृथक दो अपीले क्रमशः अपील संख्या 369/2024 एवं अपील संख्या 306/2024 इस न्यायालय के समक्ष करीबन 5 वर्ष 10 माह की देरी से दिनांक 29/04/2024 को प्रस्तुत की गयी है | अतः सर्वप्रथम धारा-5 कानून मियाद का निस्तारण किया जाना उचित समझा जाता है |

अंतः अपीलार्थी की मौखिक एवं रेस्पो. की लिखित बहस पर गौर किया एवं पत्रावली का मर प्रार्थना पत्र धारा-5 मियाद अधिनियम अवलोकन किया गया | अपीलार्थी द्वारा यह दोनों अपीले करीबन 5 वर्ष 10 माह के विलम्ब से प्रार्थना पत्र धारा-5 मियाद अधिनियम के साथ पेश की गयी है एवं अपीलार्थी द्वारा इतनी लम्बी अवधि की देरी को कन्डोन करवाने हेतु प्रार्थना पत्र धारा-5 मियाद अधिनियम में सरसरी तौर पर तथ्य अंकित कर लाभ चाहा गया है जबकी कानूनी प्रावधानों के अनुसरण में दिन-प्रतिदिन की देरी का स्पष्ट अंकन किया जाना आवश्यक होता है किन्तु ऐसा नहीं कर अपीलार्थी इतनी लम्बी अवधि की देरी को कन्डोन करवाने के कानूनन अधिकारी नहीं रहते है | अतः ऐसी स्थिति में दोनों अपीलों में प्रस्तुत प्रार्थना पत्र धारा-5 मियाद अधिनियम स्वीकार योग्य नहीं होने से खारिज किये जाते है | फलस्वरूप दोनों अपीले क्रमशः 369/2024 एवं 306/2024 मियाद बाहर धारित कर खारिज की जाती है |

पत्रावलीयां फैसल शुमार होकर बाद तामील तकमील दाखिल दफ्तर हो |

निर्णय आज दिनांक 08/10/2025 को लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया |

  
राजस्व अपील प्राधिकारी  
जयपुर

